

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से हनुमान कान्ह खानाभयण
	6/1/23	पत्रावली पेश हुई। पी०आर० साहब अन्य राज्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वुसार दिनांक 2/1/23 को पेश हो।
	3/1/23	पत्रावली पेश हुई। पी०आर० साहब अन्य राज्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वुसार दिनांक 17/1/23 को पेश हो।
	17/1/23	पत्रावली पेश हुई। पी०आर० साहब अन्य राज्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वुसार दिनांक 13/1/23 को पेश हो।
	13/1/23	पत्रावली पेश हुई। पी०आर० साहब अन्य राज्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वुसार दिनांक 3/1/23 को पेश हो।
	3/1/24	पत्रावली पेश हुई। वकीलवादी अनुपस्थित वकील प्रतिवादीगण अनुपस्थित। वकीलवादी/प्रतिवादी को बार-बार आवाज दिखाई गई। नक-रक का अपील लगावाई गई। वकीलवादी व प्रतिवादी को को अस्थिर आवाज साथ पत्रे लगावाई गई। वकील वादी व प्रतिवादी अनुपस्थित। अतः प्रत्येकवादी/प्रतिवादी अदालत परी व अदालत परी में वकील किताबत है। पत्रावली भंगवा से कत लेका कत वकील वाकिल दस्ता-ले (मुकदमागण)

उपस्थित अधिकारी
जयपुर द्वितीय (साबानेर)